Nalanda Open University

Paper:- V (Social Psychology)
Course:- Regular B.A. Part III (Hons)
Topic:- Group Structure
Prepared by:- Prof. (Dr.) Kanak Varma
Co-ordinator U.G., Psychology.

प्रत्येक समूह चाहे वह छोटा हो या बड़ा उसकी एक संरचना होती है, जो सदस्यों की संख्या, व्यक्तिगत गतिशीलता, संचार, पारस्परिक सम्बन्धों पर निर्भर करती है।

समूह की संरचना निम्नलिखित तथ्यों पर निर्भर करती है —

1. समूह का आकार (Size of the group)
2. समूह का सम्बन्ध (Group relation)
3. प्रस्थिति (Status)
4. संचार का स्वरूप (Nature of Communication)
5. समूहों के बीच अन्तर्सम्बन्ध (Interrelation between groups)
6. समूहों की प्रभावशीलता (Effectiveness of group)

1. समूह का आकार :— समूह के आकार से तात्पर्य उसके छोटा या बड़ा होने पर निर्भर

करता है। समूह में सदस्यों की संख्या अगर कम हो तो सम्बन्ध प्रत्यक्ष (direct) या प्राथमिक (Primary) होते हैं। सदस्यों का सम्बन्ध एवं अन्तर्क्रियाएँ सरल होती हैं यानि प्रेम, सौहार्द निष्ठा, सहयोग इत्यादि की भावना होती है जैसे - परिवार या मित्र। इस प्रकार के समूह में सम्बन्ध प्रत्यक्ष होते हैं।

कुछ समूह ऐसे होते हैं जिसमें सदस्यों की संख्या शुरु में तो कम होती है पर धीरे-धीरे सदस्यों की संख्या बढ़ती जाती है और समूह जटिल होता जाता है इसलिए सदस्यों में जटिलताएँ तथा सदस्यों के बीच अप्रत्यक्ष सम्बन्ध होते हैं, समूह में तनाव और संघर्ष होता है। आकार में भिन्नता के बावजूद संरचना में कोई विशेष फर्क नहीं होता है।

2. समूह से सम्बन्ध :- सदस्यों का आपसी सम्बन्ध छोटे समूह में प्रत्यक्ष तथा बड़े समूह का सम्बन्ध अप्रत्यक्ष होते हैं। छोटे समूह में सदस्यों के सम्बन्ध प्रेम-सौहार्द का होता है जबकि बड़े समूह में प्रतिस्पर्द्धा-तनाव का होता है। कुछ वैज्ञानिकों ने इन्हें दो भागों में विभाजित किया जाता है -

1. उर्ध्वाधर सम्बन्ध (Vertical Relation)
2. क्षैतिज सम्बन्ध (Horizontal Relation)

बड़े समूह में उदग्र सम्बन्ध तथा छोटे समूह में क्षैतिज सम्बन्ध होते हैं।

3. प्रस्थिति :- समूह की संरचना पर प्रस्थिति का भी प्रभाव पड़ता है, कई समूह में प्रस्थिति में स्पष्ट अन्तर होता है, जैसे — कारखाना - राजनीतिक दल। सदस्यों का पद निम्न, मध्यम तथा उच्च पदों के होते हैं, यहाँ सम्बन्ध अनौपचारिक होता है।

इसके विपरीत छोटे समूह में क्रियाकलापों से स्थान का पता चलता है जैसे - परिवार में मुखिया का पद। यहा सम्बन्ध अनौपचारिक नहीं होता है।

4. संचार का स्वरूप :- संचार से तात्पर्य यह है कि सदस्यों के बीच सूचना का आदान-प्रदान कैसे होता है, छोटे समूह में संचार प्रत्यक्ष तथा मौखिक होता है जब कि बड़े समूह में अप्रत्यक्ष तथा अनौपचारिक होता है।

5. विभिन्न समूहों में अन्तर्सम्बन्ध :- विभिन्न समूहों के बीच का सम्बन्ध कार्यात्मक अवश्यकताओं को पूरा करने के लिए होता है यह अन्तर्सम्बन्ध सरल होता है जबकि बड़े समूह में इसमें जटिलताएँ होती है, छोटे समूहों में यह सम्बन्ध आत्मनिर्भर होता है तथा बड़े समूह में यह दूसरों पर निर्भर होते हैं।